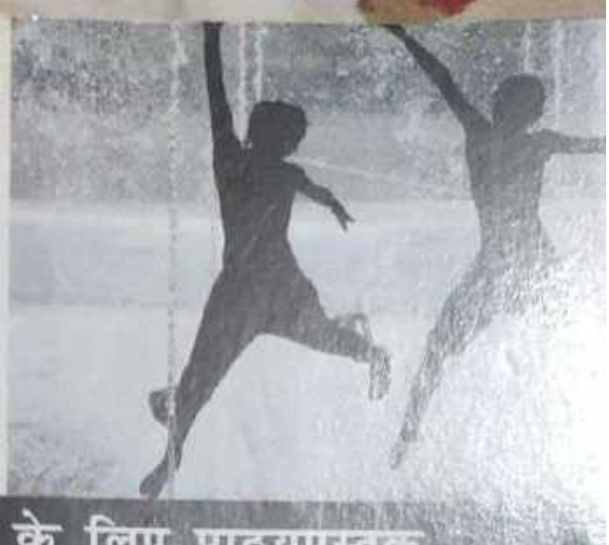

कक्षा 11 के लिए पाठ्यपुस्तक

मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान

भाग I

व्यक्तित्व, आयु, पारिवारिक पृष्ठभूमि और उसके रहन-सहन के स्तर के अनुसार भिन्न होता है। ऊर्जा संरक्षण और इसके प्रभावी उपयोग के लिए व्यक्ति को कार्यकलाप के में सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए और उसकी योजना बनानी चाहिए ताकि कार्य सक्षमतापूर्वक पूरा किया जा सके।

गैर-मानव संसाधन

(क) धन – हम सभी को इस संसाधन की आवश्यकता होती है लेकिन यह सभी में समान रूप से वितरित नहीं होता। कुछ लोगों के पास यह संसाधन अन्य लोगों की तुलना में कम होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि धन एक सीमित संसाधन है और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हमें इसको विवेकपूर्ण ढंग से खर्च करना चाहिए।

(ख) भौतिक संसाधन – स्थान, फ़र्नीचर, कपड़े, स्टेशनरी, खाद्य वस्तुएँ इत्यादि कुछ भौतिक संसाधन हैं। हमें कार्यकलाप करने के लिए इन संसाधनों की आवश्यकता होती है।

व्यक्तिगत और साझे संसाधन

(क) **व्यक्तिगत संसाधन** – ये वे संसाधन हैं जो व्यक्ति के पास केवल निजी उपयोग के लिए उपलब्ध होते हैं। ये मानव या गैर-मानव संसाधन हो सकते हैं। आपका अपना कौशल, ज्ञान, समय, स्कूल बैग, आपके कपड़े व्यक्तिगत संसाधनों के कुछ उदाहरण हैं।

(ख) **साझे संसाधन** – ये वे संसाधन हैं जो समुदाय/सोसाइटी के अनेकों सदस्यों के लिए उपलब्ध होते हैं। साझा संसाधन प्राकृतिक अथवा समुदाय आधारित हो सकते हैं।

प्राकृतिक और सामुदायिक संसाधन

(क) **प्राकृतिक संसाधन** – प्रकृति में उपलब्ध संसाधन प्राकृतिक संसाधन होते हैं। जल, पहाड़ वायु इत्यादि प्राकृतिक संसाधन हैं। ये हम सभी के लिए उपलब्ध होते हैं। अपने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हम सभी का दायित्व है कि हम इनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से करें।

(ख) **सामुदायिक संसाधन** – ये संसाधन किसी व्यक्ति को समुदाय/सोसाइटी के सदस्य के रूप में उपलब्ध होते हैं। ये सामान्यत: सरकार द्वारा प्रदान किए जाते हैं। ये मानव अथवा गैर-मानव हो सकते हैं। सरकारी अस्पतालों द्वारा दी जाने वाली परामर्श सेवाएँ, डॉक्टर, सड़कें, पार्क और डाकघर सामुदायिक संसाधनों के कुछ उदाहरण हैं। प्रत्येक व्यक्ति को इन संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए और इनके रख-रखाव के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी समझनी चाहिए।

संसाधनों की विशेषताएँ

यद्यपि हम संसाधनों को विभिन्न प्रकार से वर्गीकृत कर सकते हैं, लेकिन उनमें कुछ समानताएँ भी होती हैं। संसाधनों की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

(क) **उपयोगिता** – यह संसाधनों की सबसे अनिवार्य विशेषता है। उपयोगिता का अर्थ है कि कोई संसाधन व्यक्ति की लक्ष्य प्राप्ति में कितना महत्वपूर्ण अथवा उपयोगी है। संसाधन उपयोगी

गृह प्रबन्ध

HOME MANAGEMENT

डॉ. (श्रीमती) मंजु पाटनी

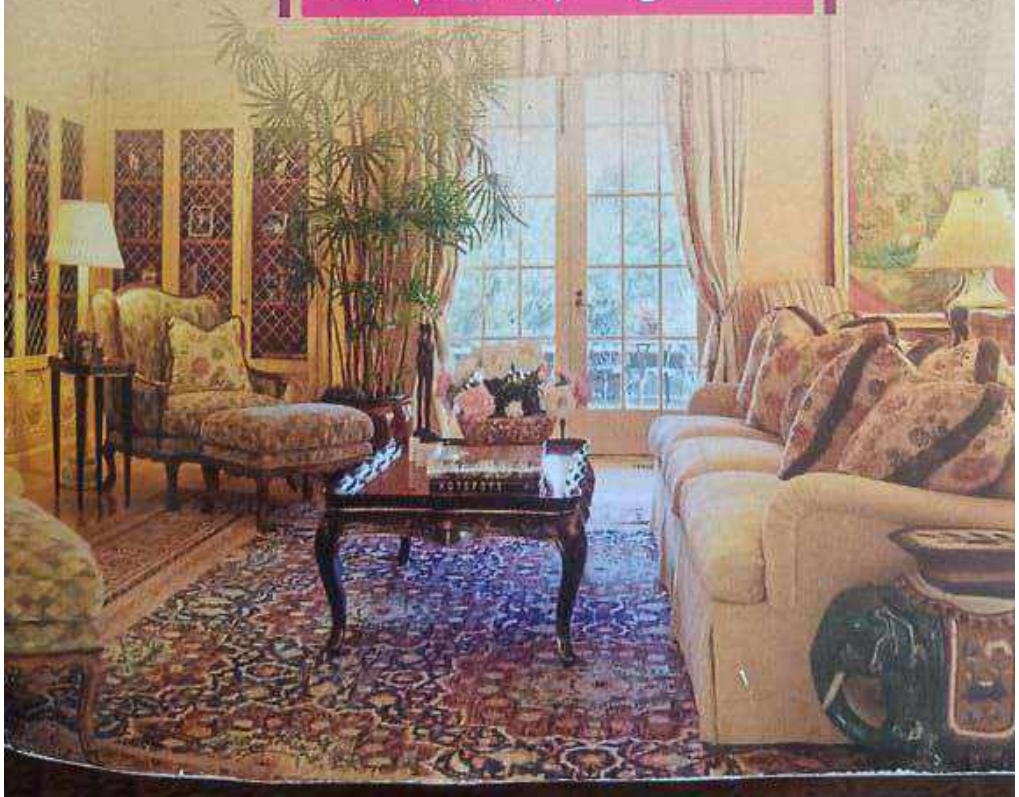

विभिन्न अवस्थाओं में इसकी मात्रा में भिन्नता पाई जाती है। धन अन्य साधनों से इस रूप में भिन्न है कि इसे प्राप्त करना सम्भव होता है। यदि व्यक्ति कार्य करना चाहता है और कार्य उपलब्ध है तो व्यक्ति अधिक समय तक कार्य करके और अधिक धन प्राप्त कर सकता है। धन को बचाया जा सकता है और उधार भी लिया जा सकता है।

(iv) **परिवार के सदस्यों की योग्यता** (Abilities of Family Members) – यह महत्वपूर्ण साधन भी सीमित होता है। योग्यता की पहली सीमितता यह है कि यह व्यक्ति की जन्मजात क्षमता होती है और दूसरी सीमितता यह कि इस क्षमता को विकसित करने हेतु उसे कितना प्रशिक्षण मिला है। किसी अयोग्य व्यक्ति को कितना ही प्रशिक्षण दिया जाये, यह योग्य नहीं हो सकता, उसी प्रकार कोई भी व्यक्ति जन्मजात रूप से कितना ही योग्य क्यों न हो यदि उसे उचित प्रशिक्षण या अवसर नहीं मिलता तो वह अपनी योग्यता को पूर्णतः विकसित नहीं कर पाता। कई परिवार अपने सदस्यों की योग्यता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें इसका ज्ञान नहीं होता।

(v) **भौतिक वस्तुएँ** (Material Goods) – परिवार को प्राप्त होने वाली भौतिक वस्तुएँ दो रूपों में सीमित होती हैं—एक तो इन भौतिक वस्तुओं को खरीदने हेतु उपलब्ध धन सीमित होता है, दूसरा इन भौतिक वस्तुओं को उत्पन्न करने हेतु परिवार के सदस्यों की योग्यता और प्राप्त अवसरों की सीमितता होती है।

इस प्रकार साधनों की सीमितता परिवार के सामने एक चुनौती होती है, यद्यपि विभिन्न परिवार इस चुनौती को अलग-अलग रूप में स्वीकार करते हैं। किसी भी साधन का अभाव होने पर किसी लक्ष्य की प्राप्ति में कठिनाई होती है और काफी प्रयत्न करने पड़ते हैं।

गुणात्मक सीमितता (Qualitative Limits) – यद्यपि गणनात्मक सीमितता स्पष्ट होती है, तथापि कुछ साधनों में गुणों में भी भिन्नता और सीमितता पाई जाती है। इस प्रकार की गुणात्मक सीमितता विशेषकर भौतिक वस्तुओं के क्षेत्र में पाई जाती है। उदाहरणार्थ एक परिवार ऐसी परिसज्जा खरीदता है जो कि मजबूत और सौन्दर्यात्मक सन्तोष प्रदान करने वाली होती है, जबकि दूसरे परिवार के पास जो परिसज्जा है उसमें इन गुणों का अभाव है। विभिन्न समुदाय तुलनात्मक रूप से उनको मिलने वाली सुविधाओं को देख सकते हैं। किसी एक समुदाय में अधिक सुविधाएँ प्राप्त होती हैं जबकि अन्य समुदाय में नहीं। गुणात्मक सीमितताओं को आसानी से नापा नहीं जा सकता, केवल अनुभव किया जा सकता है।

(3) **साधनों की अन्तर्सम्बन्धता** (Interrelatedness of Resources) – परिवार या समूह में न केवल व्यक्तिगत साधनों के उपयोग के सम्बन्ध में निर्णय लेने पड़ते हैं वरन् उनके अन्तर्सम्बन्ध के सम्बन्ध में निर्णय लेने पड़ते हैं। योग्यता को समय के उपयोग, शक्ति की मात्रा और कभी-कभी भौतिक वस्तुओं के सन्दर्भ में ही देखा जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति यह निश्चित करता है कि फर्नीचर के व्यय में कटौती करने हेतु उस पर पॉलिश हाथ से की जाय तो उसे यह भी देखना पड़ता है कि उसके पास खाली समय कितना है। यदि उसके विपरीत वे पूरा धन फर्नीचर पर लगाते हैं और परिसज्जायुक्त फर्नीचर खरीदते हैं तो वे देखते हैं कि उनके पास मनोरंजन हेतु कम धन बचा है। ऐसी स्थिति में उन्हें अपने अवकाश के समय का उपयोग करने हेतु दूसरा तरीका सोचना पड़ता है।

भौतिक वस्तुओं के सम्बन्ध में लिए जाने वाले निर्णय भी अन्य साधनों द्वारा प्रभावित होते हैं। चूँकि सभी भौतिक पदार्थ खरीदे जाते हैं, यह विशिष्ट रूप से धन के उपयोग से सम्बन्धित